भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. 2003

सोमवार, 19 दिसम्बर, 2022/28 अग्रहायण, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**उत्तर प्रदेश के मंदिरों को 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत शामिल करना**

**2003. डॉ. चन्द्र सेने जादौनः**

**श्रीमती केशरी देवी पटेलः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उत्तर प्रदेश और अन्य स्थानों से श्रद्धालु प्रयागराज और फिरोजाबाद में स्थित प्रसिद्ध बांध वाले/लेटे हुए हनुमान मंदिर जाते हैं;

(ख) क्या सरकार द्वारा इस मंदिर को 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है/शामिल करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) सरकार द्वारा 'प्रसाद योजना' के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में स्थित कितने मंदिरों को शामिल किया गया है/शामिल किए जाने का विचार है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) प्रयागराज से 'प्रसाद' योजना के अंतर्गत शामिल किए गए मंदिरों की संख्या और ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)**

(क) से (घ): बांध वाले/लेटे हुए हनुमान मंदिर अथवा प्रयागराज और फिरोजाबाद में स्थित किसी भी अन्य मंदिर को प्रशाद योजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए पर्यटन मंत्रालय को उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार से कोई परियोजना प्रस्ताव नहीं हुआ है।

(ङ): उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त अनुरोध/प्रस्तावों पर पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई हैः

| क्र. सं. | परियोजना का नाम | वर्ष | स्वीकृत राशि (करोड़ रू. में) |
|---|---|---|---|
| 1. | मेगा पर्यटन परिपथ (चरण-II) के रूप में मथुरा - वृंदावन का विकास | 2014-15 | 10.98 |
| 2. | वृंदावन, मथुरा जिला में पर्यटन सुविधा केंद्र का निर्माण | 2014-15 | 9.36 |
| 3. | वाराणसी का विकास (चरण-I) | 2015-16 | 20.40 |
| 4. | गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन | 2017-18 | 9.02 |
| 5. | प्रशाद योजना (चरण-II) के तहत वाराणसी का विकास | 2017-18 | 44.60 |
| 6. | गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास | 2018-19 | 39.74 |

(च): जी, नहीं।

*****